चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 21-6-2019 पृष्ठ सं. ...6..... कॉलम ...1-5.....

सुविधा • कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने किया 10 सेनेटरी नैपकिन वैंडिंग मशीनों का उद्घाटन

एचएयू के 4 हॉस्टल्स में छात्राओं को फ्री मिलेंगे सेनेटरी पैड

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने अपने परिसर के 4 छात्रावासों में 10 स्वाचालित सेनेटरी नैपकिन वैंडिंग मशीन लगाई हैं। इन मशीनों से छात्राएं बिना किसी खर्चे के सेनेटरी नेपकिन पैड ले सकती हैं।

इसके साथ ही 10 इन्सिनरेटर भी लगवाए गए हैं जो वेस्ट को निस्तारित करने का काम करेंगे। दरअसल, एचएयू के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल और साई के महिला छात्रावास में सबसे पहले यह सुविधा दी जाएगी। इसे ओएल एड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से वुमन चिल्ड्रन वेलफेयर एंड रूरल डिवेलपमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) के माध्यम से लगाया गया है। मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया।

एचएयू के छात्रावास में सेनेटरी नैपकिन वैंडिंग मशीन का बटन दबाकर शुभारंभ करतीं मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह।

50 प्रतिशत महिलाएं अभी नैपकिन से दूरः पदाधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। एक सर्वे के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अभी भी सेनेटरी नैपकिन पैड का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सेनेटरी नैपकिन पैड आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी महत्ता से अवगत कराएं।

चुप्पी तोड़ो और इस बारे में खुलकर बात करो

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वुमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रूरल डिवेलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता लड्ढा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और इसके बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्रावास की सभी वार्डन व छात्राएं उपस्थित रहीं।

समाचार-पत्र का नाम ....हरि भूमि........
दिनांक 21.6.2019 पृष्ठ सं. ...16... कॉलम ...2-5...

हकृवि में फ्री में मिलेंगे सैनिटरी नैपकिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

■ गंगोत्री, नर्मदा और साई हॉस्टल में 10 वेंडिंग मशीन लगाई

हकृवि के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साई के महिला छात्रावास में ओएल एड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन ओएनजीसी के आर्थिक सहयोग से वुमन चिल्डर्न वेलफेयर एड रूरल डेवेलपमेंट सोसायटी डब्ल्यूएआरडीएस ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन एवं 10 इंसिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रिब्यूशन होगा।

हिसार। वेन्डिग मशीन का उदघाटन करते मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्राओं को स्व छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60 महिलाएं अभी भी सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रहीं हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आहवान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी महत्ता से अवगत कराएं।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वुमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रूरल डेवेलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता लड्ढा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्रावास की सभी वार्डन व छात्राएं उपस्थित थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 21.6.2019 पृष्ठ सं. 16 कॉलम 5-6

एचएयू के गर्ल्स हॉस्टल में लगाईं 10 स्वचालित सेनेटरी नैपकीन वेंडिंग मशीन

मुख्य अतिथि डा. संजेश सिंह वेंडिंग मशीन का उद्घाटन करती हुईं। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल और साई के महिला छात्रावास में ओएल एड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से वुमन चिल्डर्न वेलफेयर एड रूरल डेवेल्पमेंट सोसायटी ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन एवं 10 इन्वर्टर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रिबयुशन होगा।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डा. संजेश सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60 महिलाएं अभी भी सेनेटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रहीं हैं। सेनेटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वुमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रूरल डेवेल्पमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डा. श्वेता लड्ढा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 21.6.2019 पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम ....7-8.....

वेंडिग मशीन का उद्घाटन करतीं मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह। अमर उजाला

एचएयू में 10 स्वचालित सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साईं महिला छात्रावास में वूमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रुरल डवलपमेंट सोसायटी ने 10 स्वचालित सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन एवं 10 इंसिनरेटर लगवाए है। इनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रीब्यूशन होगा। ये मशीनें ऑयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) के सहयोग से लगवाई गई हैं इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. संजेश सिंह ने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा कि एक सर्वे के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अभी भी सेनेटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सेनेटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए और सेनेटरी नैपकिन की महत्ता से अवगत कराएं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वूमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रुरल डवल्पमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता ने छात्राओं को समाजसेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और माहवारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजू मेहता ने अतिथियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........
दिनांक 20.6.2019 पृष्ठ सं. ....8.... कॉलम ....1-4....

'चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो'

ओएनजीसी ने हकृवि के महिला छात्रावासों में लगाई 10 सैनिटरी नैपकिन मशीनें

हिसार/20 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साई के महिला छात्रावास में ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से वुमन चिल्डर्न वैलफेयर एंड रूरल डैवलपमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिंग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रिब्युशन होगा। इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अभी भी सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रहीं हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाएं एवं इसकी महत्ता से अवगत कराएं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वुमन चिल्डर्न वैलफेयर एंड रूरल डैवलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता लड्ढा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक हिसार .....
दिनांक 20.6.2019 पृष्ठ सं. ..... 2 ..... कॉलम ..... 3-5 .....

सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत: डा. संजेश

हिसार : 20 जून चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साई के महिला छात्रावास में ओएल एड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से वुमन चिल्डर्न वेलफेयर एड रूरल डेवेल्पमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिसट्रिब्युशन होगा।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60% महिलाएं अभी भी सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रहीं हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आहवान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी महत्ता से अवगत कराएं।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढ़ांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वुमन चिल्डर्न वेलफेयर एंड रूरल डेवेल्पमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता लड्ढ़ा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 20.6.2019 पृष्ठ सं. ..... 4 ..... कॉलम ..... 5.8 .....

एचएयू के महिला छात्रावास में डब्ल्यूएआरडीएस ने 10 स्वचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साइं के महिला छात्रावास में ओएल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से वुमन चिल्डर्न वैलफेयर एंड रूरल डेवेल्पमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) ने 10 स्वाचालित सैनिटरी नैपकिन वेन्डिग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नैपकिन डिस्ट्रीब्यूशन होगा।

इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह की पत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा एक सर्वे के अनुसार 50-60 प्रतिशत महिलाएं अभी भी सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सैनिटरी नैपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए एवं इसकी महत्ता से अवगत कराएं।

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह वेन्डिग मशीन का उद्घाटन करते हुए।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढाडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वुमन चिल्डर्न वैलफेयर एंड रूरल डेवेल्पमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता लड्ढा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और महावारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्रावास की सभी वार्डन व छात्राएं उपस्थित थी।

समाचार-पत्र का नाम ......पाठक पक्ष......
दिनांक 20.6.2019 पृष्ठ सं. ......2...... कॉलम ......5-8......

एचएयू में सैनिटरी नैपकिन वेन्डिग मशीन का उद्घाटन

हिसार, 20 जून (निस) :चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गंगोत्री, नर्मदा, इंटरनेशनल व साइं के महिला छात्रावास में ओएल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के आर्थिक सहयोग से वूमन चिल्ड्रन वेलफेयर एंड रूरल डेवेलपमेंट सोसायटी (डब्ल्यूएआरडीएस) ने 10 स्वचालित सैनिटरी नेपकिन वेन्डिग मशीन एवं 10 इन्सिनरेटर लगवाए जिनमें फ्री नेपकिन डिस्पेंसिंग होगा। इन मशीनों का उद्घाटन कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी एवं लेडीज क्लब की चेयरपर्सन डॉ. संतोष सिंह ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने कहा कि एक सर्वे के अनुसार 50-60% महिलाएं अभी भी सैनिटरी नेपकिन का प्रयोग नहीं कर रही हैं। सैनिटरी नेपकिन आज हर महिला एवं छात्रा की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि वह खुद स्वस्थ रहें व आसपास की महिलाओं में जागरूकता बढ़ाएं एवं इसकी महत्ता से अवगत कराएं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर वूमन चिल्ड्रन वेलफेयर एंड रूरल डेवेलपमेंट सोसायटी की निदेशिका एवं सेक्रेटरी डॉ. श्वेता लदड़ा ने बहुत ही प्रेरणादायक एवं सुंदर शब्दों से छात्राओं को समाज सेवा

करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि चुप्पी तोड़ो और माहवारी के बारे में खुलकर बात करो। छात्र कल्याण विभाग की सह-निदेशिका डॉ. मंजु महता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को छात्रावास की सभी वार्डन व छात्राएं उपस्थित थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरि. भूमि......

दिनांक 21.6.2019 पृष्ठ सं. ...14... कॉलम ...2-6...

बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफर्मेटिक्स व टिशु कल्चर पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

ग्लोबल वार्मिंग व रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग कृषि के लिए गंभीर चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानो में बायोटेक्नोलोजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है।

डॉ. एसके सहरावत विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलोजी, बायोटेक्नोलोजी एंड बायोइन्फर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटेक्नोलोजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मेनुअल की सीडी का भी विमोचन किया।

हिसार। सीडी का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत व अन्य।

उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं। फसलों की पैदावार तथा गुणवत्ता बढ़ाने में पौध प्रजनन की पारस्परिक विधियों के साथ जिनोमिक्स, बायोटैक्नोलोजी तथा मालेकुलर मार्कर तकनीकों का प्रयोग बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारीकरण में बायोइन्फर्मेटिक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

बेसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे।

डॉ. राजवीर ने समारोह में बोलते हुए समय समय पर इन उपयोगी प्रशिक्षणों के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. ओपी धनखड़ ने फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उपरोक्त प्रशिक्षणों की निदेशिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर विस्तार से प्रकाश डाला। सुश्री नीरू रेढू ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रतिभागियों के अतिरिक्त कॉलेज के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा प्राध्यापक उपस्थित थे। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 21.6.2019 पृष्ठ सं. .....6..... कॉलम .....1-4.....

शिविर

एचएयू में बायोटेक्नोलॉजी तथा टिश्यू कल्चर विषयों पर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन

कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी को दें बढ़ावा : डॉ. सहरावत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान्न और पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायो टेक्नालॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया।

डॉ. सहरावत विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायो टेक्नालॉजी और टिश्यू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के वीरवार को उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह और यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

डॉ. सहरावत ने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव

सीडी का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत व अन्य। अमर उजाला

कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मैनुअल की सीडी का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती है। फसलों की पैदावार और गुणवत्ता बढ़ाने में पौध प्रजनन की पारंपरिक विधियों के साथ जिनोमिक्स, बायो टेक्नालॉजी और मालेकुलर मार्कर तकनीकों का प्रयोग बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने

मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफर्मेटिक्स विभाग ने किया आयोजन

42 प्रशिक्षणार्थी ले रहे हैं दोनों शिविरों में भाग

जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारीकरण में बायोइंफर्मेटिक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. राजवीर सिंह ने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की, जबकि डॉ. ओपी धनखड़ ने फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उपरोक्त प्रशिक्षणों की निदेशिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। नीरू रेड्डू ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रतिभागियों के अतिरिक्त कॉलेज के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा प्राध्यापक उपस्थित थे। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। इस मौके पर विषय से संबंधित एक सीडी का भी विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 21.6.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 6-8

कम हो रही उपजाऊ शक्ति, रसायनों का प्रयोग की समस्या से निपटने के लिए जैव प्रौद्योगिकी जरूरी

बायोटेक्नोलॉजी और टिशू कल्चर विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हिसार। एचएयू में मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइन्फर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटेक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षार्थी हिस्सा ले रहे हैं। इसका शुभारंभ रिसर्च डायरेक्टर डॉ. एसके सहरावत ने किया। उन्होंने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादन की शेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मेनुअल की सीडी का भी विमोचन किया। बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब, नीरू रेड्डू, डॉ. नवनीत अहलावत आदि उपस्थित रहे।

एचएयू में प्रशिक्षण के दौरान सीडी का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 21.6.2019 पृष्ठ सं. 19 कॉलम 6-7

कृषि रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग गंभीर समस्या

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान और पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानो में बायोटैक्नोलोजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है।

डा. सहरावत जोकि विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलोजी, बायोटेक्नोलोजी एंड बायोइन्फर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटेक्नोलोजी और टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मेनुअल की सीडी का भी विमोचन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........
दिनांक 20.6.2019 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ...1-4...

जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं : सहरावत

हिसार/ 20 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है। डॉ. सहरावत जोकि विश्वविद्यालय के मॉलिक्युलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइन्फर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटेक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे, ने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की सेल्फ लाइफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मैनुअल की सीडी का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं। फसलों की पैदावार तथा गुणवत्ता बढ़ाने में पौध प्रजनन की पारम्परिक विधियों के साथ जिनोमिक्स, बायोटेक्नोलॉजी तथा मॉलिक्युलर मार्कर तकनीकों का प्रयोग बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारीकरण में बायोइन्फर्मेटिक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने समारोह में बोलते हुए समय समय पर इन उपयोगी प्रशिक्षणों के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाचुसेट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ ने फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उपरोक्त प्रशिक्षणों की निदेशिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। सुश्री नीरू रेढू ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं।

कृषि अनुसंधानों में बायोटैक्नोलोजी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए : डा. सहरावत

हिसार : 20 जून चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने देश में खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानो में बायोटैक्नोलोजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है।

डॉ. सहरावत जोकि विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलोजी, बायोटैक्नोलोजी एंड बायोइन्फर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटैक्नोलोजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शेल्फ लाईफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मेनुअल की सीडी का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे हैं और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं। फसलों की पैदावार तथा गुणवत्ता बढ़ाने में पौध प्रजनन की पारम्परिक विधियों के साथ जिनोमिक्स, बायोटैक्नोलोजी तथा मालेकुलर मार्कर तकनीकों का प्रयोग बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने जीनोमिक्स युग में फसलों के सुधारीकरण में बायोइन्फर्मेटिक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... सिटी पल्स ....

दिनांक 20. 6. 2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ...1-5...

कार्यक्रम | हकृवि में बायोटैक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षण शुरू

घट रही कृषि जोत व कृषि रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौतीः डॉ. सहरावत

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने देश में खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा के लिए कृषि अनुसंधानों में बायोटैक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है।

डॉ. सहरावत जोकि विश्वविद्यालय के मालेकुलर बायोलॉजी, बायोटैक्नोलॉजी एंड बायोइन्फर्मेटिक्स विभाग द्वारा बायोटैक्नोलॉजी तथा टिशू कल्चर विषयों पर आयोजित दो प्रशिक्षणों के उद्घाटन समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे, ने कहा कि घट रही कृषि जोत, ग्लोबल वार्मिंग, क्षीण हो रही भू-उर्वरता, कृषि रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग के साथ अन्य जैविक व अजैविक दबाव कृषि उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहे है। इस परिस्थिति से निपटने में जैव प्रौद्योगिकी एक बड़ी क्षमता रखती है। इसके प्रयोग से कृषि उत्पादकता के अतिरिक्त कृषि उत्पादन की शैल्फ लाईफ और गुणवत्ता में वृद्धि संभव है। इससे जैविक और अजैविक तनावों से कृषि में उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कोर्स के मैनुअल की सीडी का भी विमोचन किया।

हिसार। सीडी का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत व अन्य।

उन्होंने कहा ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी के बहुत सारे फायदे है और यह खाद्य व पोषण सुरक्षा प्रदान कर सकती है।

बेसिक साईस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसैट्स के प्रोफेसर डॉ. ओपी धनखड़ इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. राजवीर ने समारोह में बोलते हुए समय समय पर इन उपयोगी प्रशिक्षणों के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कृषि में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. ओपी धनखड़ ने फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकी के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

प्रशिक्षणों की निदेशिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खरब ने इन प्रशिक्षणों की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। नीरू रेढू ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि डॉ. नवनीत अहलावत ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रतिभागियों के अतिरिक्त कॉलेज के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा प्राध्यापक उपस्थित थे। इन दोनों प्रशिक्षणों में कुल 42 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं।